--- प्रेस विज्ञप्ति----

पूर्णिया विश्वविद्यालय

दिनांक:19/04/2023

प्रत्येक संस्थान को नैक से मान्यता कराना उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी- प्रोफेसर राजनाथ यादव, कुलपति

नैक के बिना उच्च शिक्षण संस्थानों की पहचान नहीं- प्रोफेसर एन.के अग्रवाल

टीम वर्क के बिना नैक संभव नहीं- प्रोफेसर एस. के.गुप्ता

पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया के आइक्यूएसी (IQAC) के तत्वावधान में बुधवार को एक दिवसीय कार्यशाला 'नैक जागरूकता कार्यक्रम', 'अंडर रिभाइजड एक्रीडेशन फ्रेमवर्क' के तहत सीनेट हॉल में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर राजनाथ यादव ने की। कार्यक्रम का उद्घघाटन कुलपति एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कुलपति प्रोफेसर राजनाथ यादव ने अध्यक्षीय सह स्वागत भाषण देते हुए कहा कि प्रत्येक संस्थान को नैक से मान्यता कराना उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी है। उन्होंने उपस्थित प्रधानाचार्यों, विभागाध्यक्षों, नैक समन्वयकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सरकार और राजभवन के दिशानिर्देश के अनुसार ससमय कार्य करें। उन्होंने कहा कि 31.12.2022 तक सभी कर्मियों का सर्विस बुक तैयार कर विश्वविद्यालय को समर्पित करें। सेवानिवृत्त कर्मियों का जितने मामले लंबित है,समाधान कर शीघ्र विश्वविद्यालय में उपस्थापित करें अन्यथा कारणपृच्छा की जाएगी।

प्रो एन के अग्रवाल,एकेडमिक एडवाइजर कम स्टेट नोडल पदाधिकारी, बिहार उच्च शिक्षा परिषद, बिहार सरकार, ने 'रेलीभेंस ऑफ एसेसमेंट एण्ड एक्रीडेशन' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नैक के बिना कोई उच्च शिक्षण संस्थान आगे नहीं बढ़ सकता है। सभी संस्थानों को नैक करवाना ही होगा। इसके बिना उच्च शिक्षण संस्थान को आनेवाले दिनों में काफी कठनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। नैक आज के समय की मांग और आवश्यकता है। नैक के बिना उच्च शिक्षण संस्थाओं के अस्तित्व पर खतरा है। सभी संस्थानों को जल्द से जल्द नैक मूल्यांकन करवा लेना चाहिए। उन्होंने पूर्णिया विश्वविद्यालय के चार अंगीभूत एवं एक सम्बद्ध महाविद्यालय द्वारा एनुअल क्वालिटी एसेसमेंट रिपोर्ट(एक्यूएआर) जमा करने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए संबंधित प्रधानाचार्यों को धन्यवाद दिया।

डॉ एस के गुप्ता, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर सह सदस्य नैक कमिटी, मध्यप्रदेश ने 'इंस्टीटुयशनल प्रीपेरेशन-बीफोर, डूयरिंग एण्ड ऑफटर' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नैक का उद्देश्य उच्च शिक्षा में गुणवत्ता है। उन्होंने नैक के एक्रीडेशन प्रोसेस के बारे में बतलाया। उन्होंने एसएसआर हेतु सात क्राइटेरिया को विस्तार से बतलाया तथा प्रत्येक क्राइटेरिया का विश्लेषण किया। नैक एक्रीडेशन हेतु आईक्यूसेल और उसके समन्वयक के महत्व पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होंने बतलाया कि नैक हेतु कुलपति, प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, छात्रो को टीम वर्क के रूप में कार्य करना चाहिए।

प्रति कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार झा ने अपने अभिभाषण में प्रधानाचार्यों और नैक समन्वयकों को नैक हेतु जल्द से जल्द सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तैयार करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नैक न होने की स्थिति में किसी प्रकार का अनुदान

मिलना संभव नहीं है।कुल सैंतालीस महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य, नैक समन्वयक एवं विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष कार्यशाला में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय नोडल अधिकारी (नैक) किसलय किशोर ने किया।

कुलसचिव डॉ घनश्याम राय ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी प्रधानाचार्यों को कहा कि नैक हेतु शीघ्रताशीघ्र कार्य प्रारंभ करें।

Purnea University, Purnea
One Day Workshop

Purnea University, Purnea
One Day Workshop
On
Awareness Program
19th April, 2023
01:00 P

Purnea University, Purnea
One Day Workshop
On
NAAC Awareness Programme
19th April, 2023
01:00 P.M.

Purnea University, Purnea
One Day Workshop
On
AAC Awareness Programme
19th April, 2023

Purnea University, Purnea

Purnea University, Purnea
One Day Workshop
On
Awareness Programme
19th April, 2023

Purnea University, Purnea
Day Workshop
On
April, 2023

Purnea University, Purnea

Purnea University, Purnea
THANK YOU

Purnea University, Purnea
One Day Workshop
On
NAAC Awareness Programme

नैक से मान्यता उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी : कुलपति

विवि में आइक्यूएसी के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन

जागरण संवाददाता, पूर्णिया: पूर्णिया विश्वविद्यालय (विवि) के आइक्यूएसी के तत्वावधान में बुधवार को एक दिवसीय कार्यशाला नैक जागरूकता कार्यक्रम अंडर रिभाइज्ड एक्रीडेशन फ्रेमवर्क' के तहत सीनेट हाल में आयोजित की गई। कार्यक्रम का उदघाटन कुलपति प्रो. राजनाथ झा, प्रति कुलपति प्रो. पवन कुमार झा, कुलसचिव डा. घनश्याम राय एवं अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रुप से किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. राजनाथ यादव ने अध्यक्षीय सह स्वागत भाषण में कहा कि प्रत्येक संस्थान को नैक से मान्यता कराना उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी है। उन्होंने उपस्थित प्रधानाचार्यों, विभागाध्यक्षों, नैक समन्वयकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सरकार और राजभवन के दिशा निर्देश के अनुसार ससमय कार्य करें। उन्होंने 31 दिसंबर 2022 तक के सभी कर्मियों का सर्विस बुक तैयार कर विश्वविद्यालय को समर्पित करने का निर्देश दिया। सेवानिवृत्त कर्मियों का जितने मामले लंबित है, उनका समाधान कर शीघ्र विश्वविद्यालय में उपस्थापित करने का भी निर्देश दिया। अगर ऐसा नहीं होता है तो कारणपृच्छा करने की बात भी उन्होंने कही।

एकेडमिक एडवाइजर कम स्टेट नोडल पदाधिकारी, बिहार उच्च शिक्षा परिषद, बिहार सरकार, प्रो. एन के अग्रवाल ने रेलीभेंस आफ एसेसमेंट एंड एक्रीडेशन विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नैक के बिना कोई उच्च शिक्षण संस्थान आगे नहीं बढ़ सकता है। सभी संस्थानों को नैक कराना ही होगा। इसके बिना उच्च शिक्षण संस्थान को आनेवाले दिनों में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। नैक आज के समय की मांग और आवश्यकता है। नैक के बिना उच्च शिक्षण संस्थाओं के अस्तित्व पर खतरा है। सभी संस्थानों को जल्द से जल्द नैक मूल्यांकन करा लेना

कार्यक्रम का उदघाटन करते कुलपति और प्रतिकुलपति ● जागरण

चाहिए। उन्होंने पूर्णिया विश्वविद्यालय के चार अंगीभूत एवं एक सम्बद्ध महाविद्यालय द्वारा एनुअल क्वालिटी एसेसमेंट रिपोर्ट(एक्यूएआर) जमा करने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए संबंधित प्रधानाचार्यों को धन्यवाद दिया।

डॉ एस के गुप्ता, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर सह सदस्य नैक कमिटी, मध्यप्रदेश ने इस्टीट्यूशनल प्रीपेरेशन बी फार डूयरिंग एंड आफ्टर विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नैक का उद्देश्य उच्च शिक्षा में गुणवत्ता है। उन्होंने नैक के एक्रीडेशन प्रोसेस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने एसएसआर के लिए सात क्राइटेरिया को विस्तार से बताया । नैक एक्रीडेशन के लिए आईक्यूसेल और उसके समन्वयक के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंनेकहाकि नैक के लिए कुलपति, प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, छात्रों को टीम वर्क के रूप में कार्य करना चाहिए।

प्रत्येक संस्थान को नैक से मान्यता कराना उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी : कुलपति

- नैक जागरूकता पर पीयू में कार्यशाला आयोजित

प्रतिनिधि, पूर्णिया

पूर्णिया विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी की ओर से बुधवार को सीनेट हॉल में कार्यशाला आयोजित की गयी. कार्यशाला का विषय था 'नैक जागरूकता कार्यक्रम', 'अंडर रिभाइजड एक्रीडेशन फ्रेमवर्क'. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर राजनाथ यादव ने की. इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर यादव ने कहा कि प्रत्येक संस्थान को नैक से मान्यता कराना उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी है. उन्होंने उपस्थित प्रधानाचार्यों, विभागाध्यक्षों, नैक समन्वयकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सरकार और राजभवन के दिशानिर्देश के अनुसार ससमय कार्य करें. उन्होंने कहा कि 31.12.2022 तक सभी कमियों का सर्विस बुक तैयार कर विश्वविद्यालय को समर्पित करें. सेवानिवृत्त कमियों का जितने मामले लंबित है, समाधान कर शीघ्र विश्वविद्यालय में उपस्थापित करें अन्यथा कारणपृच्छा की जाएगी.

कुलपति प्रो राजनाथ यादव का स्वागत करते डीएसडब्लू प्रो मरगूब आलम.

नैक के बिना उच्च शिक्षण संस्थानों की पहचान नहीं : बिहार उच्च शिक्षा परिषद, बिहार सरकार एकेडमिक एडवाइजर कम स्टेट नोडल पदाधिकारी प्रो एन के अग्रवाल ने 'रिलीभेंस ऑफ एसेसमेंट एण्ड एक्रीडेशन' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नैक के बिना कोई उच्च शिक्षण संस्थान आगे नहीं बढ़ सकता है. सभी संस्थानों को नैक करवाना ही होगा. इसके बिना उच्च शिक्षण संस्थान को आनेवाले दिनों में काफी कठनाईयों का सामना करना पड़ सकता है. नैक आज के समय की मांग और आवश्यकता है, नैक के बिना उच्च शिक्षण संस्थाओं के अस्तित्व पर खतरा है. सभी संस्थानों को जल्द से जल्द नैक मूल्यांकन करवा लेना चाहिए. उन्होंने पूर्णिया विश्वविद्यालय के चार अंगीभूत एवं एक सम्बद्ध महाविद्यालय द्वारा एनुअल क्वालिटी एसेसमेंट रिपोर्ट (एक्यूएआर) जमा करने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए संबंधित प्रधानाचार्यों को धन्यवाद दिया.

टीम वर्क के बिना नैक संभव नहीं : डॉ एस के गुप्ता, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर सह सदस्य नैक कमिटी, मध्यप्रदेश ने 'इंस्टीटुयशनल प्रीपेरेशन-बीफोर, डूयरिंग एण्ड ऑफटर' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नैक का उद्देश्य उच्च शिक्षा में गुणवत्ता है. उन्होंने नैक के एक्रीडेशन प्रोसेस के बारे में जानकारी दी. उन्होंने एसएसआर हेतु सात क्राइटेरिया को विस्तार से बताया तथा प्रत्येक क्राइटेरिया का विश्लेषण किया. नैक एक्रीडेशन हेतु आईक्यूसेल और उसके समन्वयक के महत्व पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि नैक हेतु कुलपति, प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, छात्रो को टीम वर्क के रूप में कार्य करना चाहिए. प्रति कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार झा ने अपने अभिभाषण में प्रधानाचार्यों और नैक समन्वयकों को नैक हेतु जल्द से जल्द सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तैयार करने हेतु प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि नैक न होने की स्थिति में किसी प्रकार का अनुदान मिलना संभव नहीं है. कुल सैंतालीस महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य, नैक समन्वयक एवं विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष कार्यशाला में उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय नोडल अधिकारी (नैक) किसलय किशोर ने किया.कुलसचिव डॉ घनश्याम राय ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

340 स्टेशनों पर वीडियो निरीक्षण प्रणाली की व्यवस्था

हर उच्च शैक्षणिक संस्थान को नैक से मान्यता कराना शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी : वीसी

कर्मियों का सर्विस बुक तैयार कर व सेवानिवृत्त कर्मियों के लंबित मामले का समाधान करने का निर्देश

भास्कर न्यूज | पूर्णिया

पूर्णिया विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी के तत्वावधान में बुधवार को एक दिवसीय कार्यशाला नैक जागरूकता कार्यक्रम, ''अंडर रिभाइजड एक्रीडेशन फ्रेमवर्क'' के तहत सीनेट हॉल में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर राजनाथ यादव ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति, प्रति कुलपति प्रो.पवन कुमार झा, कुलसचिव डॉ. घनश्याम राय द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।कुलपति प्रो.राजनाथ यादव ने अध्यक्षीय सह स्वागत भाषण देते हुए कहा कि प्रत्येक संस्थान को नैक से मान्यता कराना उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जरूरी है।उन्होंने उपस्थित प्रधानाचार्यों, विभागाध्यक्षों, नैक समन्वयकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सरकार और राजभवन के दिशानिर्देश के अनुसार ससमय कार्य करें। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर 2022 तक के सभी कर्मियों का सर्विस बुक तैयार कर विश्वविद्यालय को समर्पित करें।सेवानिवृत्त कर्मियों का जितने मामले लंबित है,समाधान कर शीघ्र विश्वविद्यालय में उपस्थापित करें अन्यथा स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। बिहार उच्च शिक्षा परिषद के एकेडमिक एडवाइजर कम स्टेट नोडल पदाधिकारीप्रो. एन के अग्रवाल, ने ''रेलीभेंस ऑफ एसेसमेंट एण्ड एक्रीडेशन'' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नैक के बिना कोई उच्च शिक्षण संस्थान आगे नहीं बढ़ सकता है।सभी संस्थानों को नैक करवाना ही होगा। इसके बिना उच्च शिक्षण संस्थान को आनेवाले दिनों में काफी कठनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। नैक आज के समय की मांग और आवश्यकता है। नैक के बिना उच्च शिक्षण संस्थाओं के अस्तित्व पर खतरा है। सभी संस्थानों को जल्द से जल्द नैक मूल्यांकन करवा लेना चाहिए। उन्होंने पूर्णिया विश्वविद्यालय के चार अंगीभूत एवं एक सम्बद्ध महाविद्यालय द्वारा एनुअल क्वालिटी एसेसमेंट रिपोर्ट(एक्यूएआर) जमा करने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए संबंधित प्रधानाचार्यों को धन्यवाद दिया। डॉ एस के गुप्ता, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर सह सदस्य नैक कमिटी, मध्यप्रदेश ने ''इंस्टीट्युशनल प्रीपेरेशन-बीफोर, डूयरिंग एण्ड ऑफ्टर'' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि नैक का उद्देश्य उच्च शिक्षा में गुणवत्ता है। उन्होंने नैक के एक्रीडेशन प्रोसेस के बारे में बतलाया। उन्होंने एसएसआर हेतु सात क्राइटेरिया को विस्तार से बतलाया तथा प्रत्येक क्राइटेरिया का विश्लेषण किया। नैक एक्रीडेशन हेतु आईक्यूसेल और उसके समन्वयक के महत्व पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होंने बतलाया कि नैक हेतु कुलपति, प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, छात्रो को टीम वर्क के रूप में कार्य करना चाहिए। मौके पर प्रति कुलपति प्रो. पवन कुमार झा ने अपने अभिभाषण में प्रधानाचार्यों और नैक समन्वयकों को नैक हेतु जल्द से जल्द सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तैयार करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नैक न होने की स्थिति में किसी प्रकार का अनुदान मिलना संभव नहीं है।

दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति व अन्य।